हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026

9 झंडा चौक रामलीला में दशरथ-कैकेयी संवाद...



10 मोटरें बार-बार फूंकने से 15 से 20 मोहल्लों में नौ दिन...



खबर संक्षेप

नारनौल में कल लगेगा रोज़गार मेला

नारनौल। जिला रोजगार कार्यालय में 16 अक्टूबर को सुबह 10 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि मेले में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए कई प्रमुख कंपनियां भाग ले रही हैं, इनमें एचडीएफसी बैंक गुरुग्राम, रामाया हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड भिवानी, प्लेटिनम मोटो कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड नारनौल, जी4एस सिक्योरिटी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम तथा फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी महेंद्रगढ़ प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस मेले के माध्यम से 12वीं पास, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई तथा डिप्लोमा धारक बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

अनाज मंडी में दंत चिकित्सा शिविर कल

नांगल चौधरी। अनाज मंडी में 16 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान के तहत दंत चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के आह्वान पर आयोजित इस शिविर में दांतों से संबंधित बीमारियों की जांच और उपचार किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री के निजी सलाहकार (एपीएस) गोविंद गोस्वामी ने बताया कि शिविर में सुबह नौ बजे से मरीजों का पंजीकरण शुरू होगा। इसके बाद दंत रोग विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर परामर्श और उपचार उपलब्ध करवाएंगे। शिविर में सभी जांच व दवाइयां निःशुल्क रहेंगी।

सतनाली में 11वीं वार्षिक एथलेटिक्स मीट आज

सतनाली मंडी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतनाली में वीरवार को 11वीं वार्षिक एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया जाएगा। खेल प्रभारी डॉ. जगजीत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 1500 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 1000 तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 750 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सर्वश्रेष्ठ पुरुष एवं सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट को 2500-2500 रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा।

क्रेशर जोन या हादसे का हौद

सुरक्षा मानक ताक पर, खतरे के साये में जी रहे मजदूर

धौलेड़ा जोन में क्रेशरों की चक्की के हौद पर सुरक्षा के नहीं प्रबंध, ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी



नांगल चौधरी। धौलेड़ा जोन में स्थापित क्रेशर बिना वॉल बाउंड्री के चलता हुआ।

धौलेड़ा-बिगोपुर जोन में 90 से अधिक क्रेशर संचालित हैं, अधिकतर पर विभागीय मापदंड पूरे नहीं। चक्की के होद पर जाल तथा फेनबेल्टों पर कवर तक नहीं, जिनकी चपेट में आने से कई जानलेवा हादसे हो चुके। अधिकतर हादसों की इत्तफाकिया कार्रवाई करके केसों को डिस्पोज भी कर दिया गया है। अब जोन में स्थापित शक्ति क्रेशर संचालक की ओर से बरती जा रही अनियमिताओं से ग्रामीण आक्रोशित हैं।

ग्रामीणों का आरोप हे कि क्रेशर संचालक ने वॉल बाउंड्री निर्माण तक नहीं कराया तथा पत्थरों की पिसाई करना आरंभ कर दिया। क्रेशर से उड़ने वाली धूल ने करीब पांच गांवों का वातावरण प्रदुषित कर दिया, जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने क्रेशर के मापदंडों का निरीक्षण तथा कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

करीब दो दशक पहले धौलेड़ा, बिगोपुर गांव के पास क्रेशर जोन स्थापित किया गया था। क्रेशरों को एनओसी रिलीज करने से पहले प्रशासन ने प्रदूषण के मानक पूरे करने, पौधरोपण, सुरक्षा के उपकरण, संबंधित गांवों के विकास में योगदान तथा कन्वेयर पर पानी छिड़काव के साथ क्रेशर चलाने का शपथ पत्र लिए थे। प्रदूषण, विकास तथा सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद पंचायतों ने एनओसी रिलीज कर दी, लेकिन क्रेशर पर पिसाई का काम शुरू होते ही संचालकों ने शपथ पत्रों की शर्तों को भुला दिया। पत्थर पिसाई के होद पर सुरक्षा के प्रबंध तक नहीं जहां दर्जनों मजदूरों को दौड़-दौड़ कर काम करना होता है। इतना ही नहीं अधिकांश क्रेशर संचालक कन्वेयर पर पानी का छिड़काव भी नहीं करते। मशीनों के पंखों की हवा से उड़ी हुई धूल आसपास के गांवों तक पहुंचनी आरंभ हो गई।

नहीं हुआ वॉल बाउंड्री का निर्माण प्रशासन ने रिलीज कर दी एनओसी

धौलेड़ा-बिगोपुर जोन में जितने क्रेशर चालू हैं, उनमें अधिकांश की अभी तक वॉल बाउंड्री तक कंप्लीट नहीं हुई। इससे पहले प्रशासन ने एनओसी रिलीज कर दी और संचालक ने पत्थरों की पिसाई करना शुरू भी कर दिया। क्रेशर की डस्ट धौलेड़ा, बिगोपुर, बखरीजा गांव तक वातावरण को प्रदूषित कर रही है। जिससे प्रशासनिक अधिकारी व प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड अवगत है, इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने से गांव में पैसों के लेनदेन की चर्चाएं तेज होने लगी हैं।

15 गांव झेल रहे प्रदूषण की मार

धौलेड़ा, बिगोपुर, मेघोत बींजा, खातोली जाट, खातोली अहीर, बखरीजा समेत लगभग 15 गांवों की आबादी प्रदूषित वातावरण में सांस लेने को मजबूर है। डस्ट के प्रभाव से गांवों में टीबी, आंख, अस्थमा, एलर्जी जैसी गंभीर बीमारी फैलने लगी है। हालांकि बचाव के लिए क्रेशर संचालकों ने गांवों में हेल्थ चेकअप व उपचार शिविर लगाने का आश्वासन शपथ पत्र के माध्यम से प्रशासन को दिया था, लेकिन अभी तक अधिकतर संचालकों ने एक भी गांव में चिकित्सा कैंप नहीं लगाया, ना ही पौधरोपण किया है। जिस कारण क्रेशर जोन के आसपास वायु की गुणवत्ता (एक्यूआई) 550 के आसपास होने का अंदेशा है। क्रेशर जोन में विभाग के निर्धारित नियम तथा प्रशासनिक सख्ती बेअसर बनी हुई है।

हौद में गिरने और कन्वेयर में फंसने से हो चुके जानलेवा हादसे

धौलेड़ा क्रेशर जोन की अनियमिताएं जानलेवा स्थिति तक पहुंच गई है। यहां विभिन्न क्रेशरों पर काम करने वाले लगभग 40 श्रमिकों की मौत हो चुकी है, ज्यादातर हादसे होद में गिरने या कन्वेयर में फंसने से हुई है। मापदंडों को छुपाने के मकसद से अधिकांश जानलेवा हादसों को पैसों का लेनदेन करके दबा दिए जाने क चर्चाएं हैं। क्रेशर संचालकों को डर रहता है कि प्रशासनिक अधिकारी जोन में आएंगे, तो मापदंडों की धांधली का भंडाफोड़ हो जाएगा। इसलिए मृतक के परिजनों को संतुष्ट करके मामले को दबा लिया जाता है।

लगातार दूसरे दिन मांगों की सुनवाई नहीं होने से बढ़ा गुस्सा, मौन रख जताया विरोध

एसडीओ नदारद, कर्मियों का रोष बरकरार

सैकड़ों कर्मचारियों ने गेट मीटिंग में लिया भाग, जमकर की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मांगों का समाधान नहीं होने पर डिवीजन व सर्कल स्तर तक आंदोलन की दी चेतावनी



नारनौल। बिजली निगम कार्यालय में धरने पर बैठे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि



नारनौल। बैठक करते पब्लिक हेल्थ कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सिटी उपमंडल में अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध के नेतृत्व में कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को लगातार दूसरे दिन जारी रहा। सिटी एवं सब-अर्बन उपमंडल के सैकड़ों कर्मचारियों ने गेट मीटिंग में भाग लेकर अपनी मांगों और समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। गेट मीटिंग की अध्यक्षता सिटी सब डिवीजन के प्रधान कपिल यादव ने की, जबकि सचिव महेश सैनी ने मंच संचालन किया। गेट मीटिंग सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक चली।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने उपमंडल अधिकारी के लगातार दूसरे दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं होने के विरोध में दो मिनट का मौन धारण किया। कर्मचारियों ने कहा कि वे लगातार दूसरे दिन शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याएं सुनने के लिए संबंधित अधिकारी उपलब्ध नहीं हैं। इससे कर्मचारियों में रोष है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ आगे आना चाहिए। उनका कहना है कि पहले दिन भी उपमंडल अधिकारी अधिकांश समय कार्यालय से अनुपस्थित रहे और करीब एक घंटे के लिए ही कार्यालय पहुंचे थे। मंगलवार को भी अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं रहे। इसके चलते कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हो सकी।

गेट मीटिंग के दौरान कार्यालय में अपने कार्यों के लिए पहुंचे उपभोक्ता भी परेशान नजर आए। संगठन ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के साथ-साथ उपभोक्ताओं को समय पर सेवाएं उपलब्ध करवाना भी निगम की जिम्मेदारी है। ऐसे में अधिकारी की लगातार अनुपस्थिति से कर्मचारियों और उपभोक्ताओं दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों का उद्देश्य किसी अधिकारी का व्यक्तिगत विरोध करना नहीं है। कर्मचारी अपनी जायज समस्याओं का न्यायोचित और समयबद्ध समाधान चाहते हैं। संगठन ने अधिकारियों से कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

जारी रहेगा शांतिपूर्ण आंदोलन

गेट मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक कर्मचारियों की मांगों का उचित समाधान नहीं होता, तब तक सिटी उपमंडल कार्यालय के बाहर गेट मीटिंग और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इसके बाद आंदोलन को कार्यकारी अभियंता कार्यालय डिवीजन और आवश्यकता पड़ने पर अधीक्षण अभियंता कार्यालय सर्कल तक ले जाया जाएगा। संगठन ने विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करवाने और संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मांगों पर ठोस निर्णय लेने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि समय रहते सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो कर्मचारी लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे।

आज कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ धरना

नारनौल। हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ पब्लिक हेल्थ ब्रांच की आपात बैठक यूनियन कार्यालय में हुई। जिसमें कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। यूनियन ने 15 अक्टूबर को डिवीजन नंबर-1 के कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार के खिलाफ धरना देने का निर्णय लिया। यूनियन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर करीब 10 दिन पहले 27 सूत्रीय मांग पत्र अधिकारियों को सौंपा गया था, लेकिन अभी तक किसी भी मांग का समाधान नहीं किया गया है। संगठन के अनुसार कौशल रोजगार निगम और टर्म अपॉइंटमेंट के कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। इसके अलावा कर्मचारियों के वृद्धि अलाउंस, जूते, रेनकोट और शिक्षा भत्ता सहित अन्य भुगतानों की राशि भी लंबित है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 अक्टूबर को सुबह नौ बजे सैकड़ों कर्मचारी एकत्रित होकर कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ धरना देंगे और अपनी मांगों के समाधान की मांग करेंगे। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो 16 अक्टूबर से शहर की जल एवं मल व्यवस्था बंद करने के लिए कर्मचारी बाध्य होंगे। बैठक में जिला प्रधान रमेश चंद्र यादव, ब्रांच प्रधान रामशरण यादव, मुख्य सलाहकार कृष्ण शर्मा, सहीराम, संदीप जांगड़ा, सुरेश कुमार, रामचंद्र शर्मा, राजेश, नितिन, शेर सिंह, महीपाल, हवासिंह, नीरज, उमेद मौजूद रहे।



सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

नारनौल। महाविद्यालय कृष्णनगर में प्राचार्या डॉ. सुमन यादव की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। प्राचार्या डॉ. सुमन यादव व कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोली ने बैंकिंग, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति कल्याण, रेडक्रॉस, कृषि तथा सिंचाई विभाग की ओर से संचालित योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने योजनाओं की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ ही विद्यार्थियों से अपील की कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर आम जनता को इन योजनाओं के प्रति जागरूक करें, ताकि पात्र व्यक्ति सही विभाग में आवेदन करके इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें और अपने परिवार को सशक्त व विकसित बना सकें। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ. नरेश कुमार, निर्मला यादव, डॉ. सुषमा शर्मा, बबीता गुप्ता, डॉ. सुषमा यादव कुमारी, प्रीति यादव, अनुराग राय, डॉ. सुखविंद्र, जयवीर पुस्तकालय परिचय आदि उपस्थित रहे।

बच्चों से भरी स्कूल बस का पहिया सड़क में धंसा

■ बड़ा हादसा टला, सभी बच्चे सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल



शिव कॉलोनी में सड़क अचानक धंसने से बच्चों से भरी एक निजी स्कूल बस का पहिया गड्ढे में फंस गया। गनीमत रही कि बस का संतुलन नहीं बिगड़ा और उसमें सवार सभी बच्चे सुरक्षित रहे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बीते दिन एक निजी स्कूल की बस बच्चों को लेकर शिव कॉलोनी की सड़क से गुजर रही थी। इसी दौरान अचानक सड़क का एक हिस्सा धंस गया और बस का पहिया गड्ढे में फंस गया। सड़क नीचे बैठने से मौके पर बड़ा गड्ढा बन गया। उस समय बस में बच्चे सवार थे। सड़क पर बने गड्ढे के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। खासकर रात के समय गड्ढा दिखाई नहीं देने से हादसे की आशंका और बढ़ गई है। लोगों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण करवाकर सड़क धंसने के कारणों की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल गड्ढे को भरने के बजाय सड़क के नीचे की स्थिति की भी जांच की जानी चाहिए, ताकि समस्या दोबारा सामने न आए। साथ ही आसपास के सड़क मार्ग की भी जांच करवाकर कमजोर हिस्सों को समय रहते दुरुस्त कराने की मांग की गई है। लोगों ने प्रशासन से किसी बड़े हादसे का इंतजार किए बिना गड्ढे की तत्काल मरम्मत करवाने और सड़क को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

पीपीपी में ग्रामीण संपत्तियों के सत्यापन के लिए नया मॉड्यूल विकसित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल



हरियाणा सरकार डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने और सरकारी रिकॉर्ड की शुद्धता सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण (एचपीपीए) ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में दर्ज ग्रामीण संपत्तियों की मैपिंग से संबंधित विवरणों के सत्यापन और आवश्यक सुधार के लिए नया ग्रामीण संपत्ति सत्यापन मॉड्यूल विकसित किया है।

इसके माध्यम से ग्रामीण संपत्तियों की मैपिंग से जुड़े मामलों की उपलब्ध अभिलेखों और निर्धारित नियमों के आधार पर जांच की जा सकेगी। रेस्ट हाउस में एचपीपीए के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने बताया कि पीपीपी में दर्ज जानकारियों की शुद्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रामीण संपत्तियों की मैपिंग से संबंधित विवरणों में यदि कोई त्रुटि या विसंगति सामने आती है तो सत्यापन के बाद नियमानुसार आवश्यक सुधार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि मामलों में उपलब्ध दस्तावेजों, रिकॉर्ड और जांच के निष्कर्षों को आधार बनाकर ही निर्णय लिया जाएगा। डॉ. खोला ने बताया कि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तहसीलदार जांच के निष्कर्षों के आधार पर स्पीकिंग ऑर्डर अपलोड करेंगे। इसमें संबंधित मामले में लिए गए निर्णय के आधार और जांच के निष्कर्षों को स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा। इससे निर्णय की प्रक्रिया और उसके आधार का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि नए मॉड्यूल का उद्देश्य केवल डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना नहीं, बल्कि रिकॉर्ड में दर्ज जानकारी की शुद्धता सुनिश्चित करना भी है।

खेतड़ी-नरेला पावरग्रिड लाइन : मार्केट रेट निर्धारण की प्रक्रिया पूरी

कम दर वाले गांवों के लिए जारी रहेगा संघर्ष

करीब एक साल से लंबित थी प्रक्रिया, 29 गांवों के प्रभावित किसानों ने उठाई थी उचित मुआवजे की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल



नारनौल। लघु सचिवालय पार्क में पेड़ तले खड़े किसान। फोटो : हरिभूमि

खेतड़ी-नरेला 765 केवी हाईटेंशन पावरग्रिड लाइन से प्रभावित किसानों की जमीन के मार्केट रेट निर्धारित करने की प्रक्रिया बुधवार को जिला सचिवालय में एसडीएम गुरविंदर सिंह की अध्यक्षता में पूरी हुई। यह प्रक्रिया करीब एक वर्ष से लंबित थी। भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के अनुसार, प्रभावित किसान लंबे समय से वास्तविक बाजार दर के आधार पर मुआवजा निर्धारित करने की मांग को लेकर प्रशासन के समक्ष आवाज उठा रहे थे। मोर्चा के मुताबिक, करीब 29 गांवों के किसान 8 अक्टूबर 2025 से जिला सचिवालय नारनौल में अपनी मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। किसानों का कहना था कि पावरग्रिड लाइन और उसके टावरों के कारण कृषि भूमि के उपयोग, भविष्य की संभावनाओं और बाजार मूल्य पर असर पड़ता है। ऐसे में उन्हें जमीन के उचित बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा दिया जाना चाहिए। मोर्चे ने दावा किया कि पावरग्रिड के अधिकारियों की ओर से मार्केट रेट के आधार पर मुआवजा देने से इनकार किए जाने के बाद किसानों ने लगातार जिला प्रशासन के समक्ष अपनी मांग उठाई। भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा ने इस मामले में किसानों की ओर से प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के समक्ष लगातार पैरवी की। इस मौके पर किसान हवा सिंह खेड़ा, मुकेश यादव, रमेश यादव, रामनिवास पटौदा, अंकित यादव, मदन सिंह, शेर सिंह, श्याम सिंह, कुलभूषण, प्रदीप, संदीप, मनोज खेड़ा, धर्मपाल सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

आगे की कार्रवाई की जगी उम्मीद

बुधवार को जिला सचिवालय में एसडीएम की अध्यक्षता में मार्केट रेट निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रभावित किसानों को आगे की कार्रवाई की उम्मीद जगी है। हालांकि, मोर्चा का कहना है कि कुछ गांवों में निर्धारित मार्केट रेट किसानों की अपेक्षा के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे गांवों के लिए अब कमिश्नर के समक्ष अपील की जाएगी और संघर्ष आगे भी जारी रखा जाएगा। मोर्चे ने कहा कि प्रभावित किसानों को नियमानुसार उचित मुआवजा मिलना जरूरी है। जब तक मुआवजे की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, किसानों को एकजुट रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया गया है। मोर्चे की ओर से हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा सरकार का भी आभार जताया गया।

दीपावली से 20 दिन पहले ही बाजार की सड़कों पर कब्जा, लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। अभी नवरात्र चल रहे हैं और दीपावली में करीब 20 दिन शेष हैं, लेकिन शहर के बाजारों में अभी से अव्यवस्था का आलम दिखाई देने लगा है। बाजार की सड़कों पर दुकानदारों द्वारा सामान रखकर कब्जा किए जाने और वाहन चालकों द्वारा बीच बाजार में चार पहिया वाहन खड़े कर दिए जाने से हर समय जाम की समस्या बनी रहती है। इसके चलते बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों, दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, नगर पालिका की ओर से इस समस्या को लेकर प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

बाजार में कई दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर मेज आदि लगाकर सामान रख देते हैं। इससे सड़क का काफी हिस्सा घिर जाता है और लोगों के आवागमन के लिए कम जगह बचती है। दुकानों के बाहर सामान सजाने की होड़ में सड़कें लगातार संकरी होती जा रही हैं। ऐसे में जब बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ती है तो पैदल चलने वालों तक को निकलने में दिक्कत होती है। वहीं, दोपहिया और चार पहिया वाहन एक साथ बाजार में पहुंचने पर जाम की स्थिति बन जाती है। दीपावली जैसे बड़े त्योहार से पहले बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है।



यह बोले चेयरमैन

त्योहारी सीजन को देखते हुए नगर पालिका की ओर से बाजार में जल्द अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया जाएगा, ताकि लोगों को जाम से मुक्ति मिल सकें।





हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

सिर की पुरानी चोट में जब फिर से उभरे दर्द



मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ माह पहले मेरे सिर पर चोट लगी थी। पिछले कुछ समय से चोट वाली जगह पर दर्द हो रहा है। कभी-कभी दर्द तेज हो जाता है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-रोहन, रायपुर

आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जो भी वे सजेस्ट करें, सिर की एमआरआई या सीटी स्कैन करवा लें। क्योंकि कई बार चोट लगने पर क्लॉटिंग हो जाती है और उसके कारण दर्द और आगे चलकर कई बार ज्यादा बड़ी परेशानी बन सकती है। इसलिए आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर जांच कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। कुछ समय पहले पेट के अल्ट्रासाउंड से पता चला कि किडनी के पास सिस्ट हैं। क्या इससे कोई नुकसान नहीं होता? इसका ट्रीटमेंट कैसे होगा?

-दीपक, राजनांदगांव

इस मामले में बगैर रिपोर्ट देखें कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सिस्ट किस तरह की है, क्या पोजीशन है वह रिपोर्ट से तय होगा। रिपोर्ट देखकर तय होगा कि ऑपरेट करने की जरूरत है यह दवा से ही ठीक हो सकती है।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरी नाक से अचानक खून रिसने लगा, फिर कुछ समय बाद यह अपने-आप ही बंद हो गया। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ? यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-सुजीत, बिलासपुर

इसको लेकर चिंता करने की कोई बात नहीं है। यह समस्या ज्यादातर गर्मियों में होती है। हालांकि कई बार दूसरे मौसम में भी हो सकती है। कोशिश करें कि जब ब्लड आ रहा हो तो उसे समय बगैर तकिए के लेट जाएं। कुछ देर में अपने आप ही ब्लड बंद हो जाएगा।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। दो माह पहले प्रोस्टेट का ऑपरेशन हुआ था। कुछ दिनों से कमर में दर्द हो रहा है। दर्द का रिलेशन ऑपरेशन से तो नहीं है? मैं क्या करूं?

-हरीश, महेंद्रगढ़

चूंकि आपका ऑपरेशन हुआ है। इसलिए बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। हो सकता है कि दर्द की वजह ऑपरेशन हो, लेकिन आपको उस डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, जिसने आपकी सर्जरी की थी। वह जांच कर इसकी वजह बताएंगे और जरूरत पड़ेगी तो उसका ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल बगैर डॉक्टर से संपर्क के आप किसी भी तरह की मेडिसिन ना लें।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। सर्दी शुरू होते ही हथेलियों में बार-बार रूखापन फील होता है। जेली, ऑयल लगाने के कुछ देर बाद फिर ड्रायनेस होती है, इसकी क्या वजह हो सकती है?

-कुलदीप, दुर्ग

कुछ लोगों की स्किन ऑयली होती है जबकि कुछ लोगों की ड्राय होती है। हो सकता है कि आपकी स्किन ड्राय हो, जिस वजह से लगातार ड्रायनेस रहती है। आप कोशिश करें कि पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। पानी की कमी की वजह से भी कई बार ड्रायनेस हो सकती है। इसके साथ कोशिश करें कि नारियल का तेल लगाएं। वह सबसे अच्छा रहेगा। नहाने के तुरंत बाद तेल लगाना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है।

मेरी उम्र 42 वर्ष है। मेरा पेट अकसर गड़बड़ रहता है। कभी कब्ज, तो कभी लूज मोशन की समस्या होती रहती है। मेरे पेट की समस्या का स्थाई निदान बताने का कष्ट करें।

-सागर, महासमुंद

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। इस वजह से यह समस्या आ रही है। आप खान-पान में सुधार करें। दोपहर में खाने के साथ दही या छाछ जरूर लें। नाश्ते में फल को शामिल करें। रात में हल्का खाना लें। पर सबसे जरूरी चीज यह है कि अधिक तला-भुना या बाजार का पैक्ड फूड न खाएं। यह आपकी परेशानी और बढ़ा सकता है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**





डॉक्टर्स एडवाइस



डॉ. सुदीप जैन
डायरेक्टर-स्पाइन सॉल्यूशंस इंडिया
नई दिल्ली

स्पेशल: वर्ल्ड स्पाइन डे, 16 अक्टूबर

आमतौर पर लोग अपनी स्पाइन हेल्थ यानी रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य पर जरूरी ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे में इस बार के वर्ल्ड स्पाइन डे की थीम-स्पाइन हेल्थ फॉर लाइफ, बहुत मायने रखती है। यह थीम हमें प्रेरित करती है कि रीढ़ की सेहत का ख्याल रखना जीवन भर की जिम्मेदारी है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर स्पाइन हेल्थ से जुड़े यूजफुल सजेशंस दे रहे हैं।

ऐसे करें स्पाइन हेल्थ केयर

प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' के अनुसार, दुनिया भर में प्रत्येक दस में से एक व्यक्ति कमर दर्द की समस्या से ग्रस्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2020 में 619 मिलियन लोग दुनिया भर में कमर के निचले भाग में होने वाले दर्द (लोअर बैक पेन) से पीड़ित थे। मौजूदा दौर में कंप्यूटर, लैपटॉप और स्मार्टफोन आदि इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर देर तक काम करने से और गलत पोस्चर्स में बैठने के कारण लोगों में रीढ़ की हड्डी से संबंधित समस्याएं बढ़ रही हैं। अगर किसी व्यक्ति को लगभग एक हफ्ते से अधिक समय से गर्दन या फिर कमर दर्द की समस्या है, रीढ़ की हड्डी और उसके आसपास दर्द हो रहा है और उसे पारंपरिक उपचार (जैसे दर्द से राहत पाने के लिए ठंडे पानी से सिकाई और सूजन कम करने के लिए गर्म पानी से सिकाई) से राहत नहीं मिल रही हो तो मरीज को डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

स्पाइन की प्रमुख समस्याएं

स्पाइन से जुड़ी कुछ प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं- साइटिका या सियाटिका, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी, स्पाइनल अर्थराइटिस, हर्निएटेड डिस्क, स्पाइनल स्टेनोसिस, स्कोलियोसिस, एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस और कायफोसिस।

स्पाइन प्रॉब्लम्स के लक्षण

- कमर में दर्द और जकड़न महसूस करना। अधिकतर मामलों में यह दर्द कमर के निचले हिस्से यानी लंबर में ज्यादा होता है।
- गर्दन में जकड़न या दर्द।
- अनेक लोगों में कमर और गर्दन से संबंधित दर्द दिन की बजाय रात में ज्यादा होता है।
- कुछ लोग दर्द की समस्या कमर से लेकर कूल्हों तक महसूस करते हैं।
- अनेक लोगों में व्यायाम करने के बाद या फिर चलने-फिरने की स्थिति में कमर व गर्दन दर्द की समस्या बढ़ जाती है।
- कुछ मामलों में लोग गर्दन व कमर के भाग में सुन्नता का एहसास भी करते हैं।
- रीढ़ की समस्या के गंभीर होने पर मरीज को नित्य क्रिया करने जैसे पेशाब आदि से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

स्पाइन प्रॉब्लम्स के प्रमुख कारण

- एक उम्र (चालीस-पैतालीस वर्ष) के बाद हड्डियों में प्राकृतिक क्षरण प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति का चलना-फिरना और उसकी सक्रियता कम होने लगती है।
- अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, जिसके अंतर्गत व्यायाम न करना, मोटापा और गलत खान-पान आदि कई कारण शुमार हैं।
- इन दिनों स्पाइन संबंधी समस्याओं का एक प्रमुख कारण गलत पोस्चर में घंटों बैठना, चलना या लेटना है। आमतौर पर लोग लैपटॉप या कंप्यूटर पर कार्य करते समय या टेलीविजन देखते समय या अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर काम करते वक्त रीढ़ की हड्डी को उसके नेचुरल कर्व में नहीं रखते हैं।
- दिनों-दिन बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं या अन्य दुर्घटना से भी ऐसा होता है।
- आनुवंशिक या जेनेटिक कारण।
- रीढ़ की हड्डी पर चोट लगना।
- धूम्रपान करना भी इसका कारण हो सकता है।

इलाज के तरीके

स्पाइन संबंधी समस्याओं में ऑपरेशन की नौबत तब आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को दवाओं और फिजियोथेरेपी आदि से राहत नहीं मिलती। सर्जरी के भी कई तरीके हैं। जैसे- मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी, एंडोस्कोपिक स्पाइनल सर्जरी, स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी, स्पाइनल लैमिनेक्टॅमी, डिस्केक्टॅमी, डिस्क रिप्लेसमेंट, वर्टिब्रोप्लास्टी। इनमें से डॉक्टर पेशेंट की कंडीशन के बेस पर तय करते हैं कि कौन सी सर्जरी इफेक्टिव रहेगी।

मोटापे का दुष्प्रभाव

वर्ल्ड ओबेसिटी फैडरेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार मोटापा रीढ़ की हड्डियां और शरीर के अन्य जोड़ों की समस्याओं को बढ़ा देता है। मोटापे के कारण स्पाइन का एलाइनमेंट असंतुलित हो जाता है। इसलिए मोटापे पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। इसके लिए अपने खान-पान और व्यायाम पर ध्यान दें।

स्पाइनल हेल्थ और व्यायाम

विभिन्न प्रकार के व्यायामों से स्पाइन में लचीलापन बना रहता और इनके समीप स्थित मांसपेशियां मजबूत रहती हैं। अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार व्यायाम करें। इस क्रम में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लें। अपनी क्षमता के अनुसार नियमित रूप से टहलें, साइकिल चलाएं, स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें और तैराकी भी कर सकते हैं। योगासन भी रीढ़ की हड्डी को लचीला और सशक्त बनाने में मदद करते हैं, किंतु इनकी शुरुआत किसी योग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर करना चाहिए।



डाइट भी है इंपॉर्टेंट

हरी पत्तेदार सब्जियों को अपने आहार में वरीयता दें। पत्तेदार सब्जियों में विटामिंस और मैग्नीशियम पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जिनसे आपकी रीढ़ की हड्डी के समीप स्थित मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रीढ़ की हड्डियां सशक्त बनी रहती हैं। जंक फूड्स और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ रीढ़ की सेहत के लिए नुकसानदेह हैं। इसके अलावा अपने खान-पान में दूध, दही, पनीर, बटर, छाछ आदि को शामिल करें। दूध और इससे निर्मित उत्पादों में कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो रीढ़ को मजबूत रखने में सहायक हैं। इसके अलावा खट्टे फल, बींस, नट्स और ड्राय फ्रूट्स का सेवन करें।

सही पोस्चर में सोएं

पेट के बल सोने से रीढ़ को वांछित विश्राम नहीं मिल पाता। पेट के बल सोना नींद लेने की खराब स्थिति है, जो आपकी रीढ़ की मांसपेशियों और वर्टेब्रा पर सबसे अधिक दबाव डालती है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह स्थिति आपकी रीढ़ के प्राकृतिक वक्र को समतल कर देती है। यही नहीं, पेट के बल सोने से आपको गर्दन भी मोड़नी पड़ सकती है। नतीजतन गर्दन और कमर में दर्द हो सकता है। अगर आप पेट के बल या करवट के बल सोते रहने के आदी हैं, तो भी अपने सोने की शुरुआत पीठ के बल लेटकर ही करें।

बैठने का सही तरीका

देर तक बैठे रहने के कारण 'स्पाइनल एलाइनमेंट' बनाए रखने में दिक्कत होती है। इससे बचने के लिए कुछ बातों पर गौर करें।

- अगर आपकी डेस्क जॉब है तो थोड़ी देर के बाद उठकर आस-पास टहल लें।
- बैठने के दौरान पीठ को सहारा दीजिए और जरूरत पड़ने पर पीठ के पीछे गद्दी रखें।
- बहुत देर तक झुककर बैठने से बचें। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

वर्कप्लेस पर रखें ध्यान

कर्मचारियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाए बिना उनकी कार्य क्षमता बढ़ाने को एर्गोनॉमिक्स कहा जाता है। ऑफिस में एर्गोनॉमिक्स का पालन करने से स्वस्थ रीढ़ से संबंधित उपायों को सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलती है। जैसे-

- कंप्यूटर व लैपटॉप आदि गैजेट्स का संचालन ऐसी खास कुर्सियों पर बैठकर करना, जो आपकी रीढ़ को पर्याप्त सपोर्ट करती हों।
- कार्य के दौरान कुछ समय के लिए 'ब्रेक' लेने के लिए एक ऐसे कक्ष की व्यवस्था करना, जिसमें आप गर्दन और कमर से संबंधित स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज कर सकें।
- कंप्यूटर पर कार्य करने की ऐसी विधि अपनाना, जिससे रीढ़ की हड्डी पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

फिटनेस

अंजू जैन

एक्सरसाइज का नया ट्रेंड हायरॉक्स वर्कआउट



हायरॉक्स वर्कआउट, ग्लोबल फिटनेस का सबसे तेजी से उभरता हुआ खेल और एक्सरसाइज ट्रेंड है। यह एक ऐसा स्टैंडर्ड फॉर्मेट है, जो दौड़ने और फंक्शनल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग को एक साथ परफॉर्म करने का मौका देता है।

क्या है हायरॉक्स: यह एक इनडोर फिटनेस रेस है। इसका एक निश्चित प्रारूप होता है। इस रेस में भाग लेने वाले एथलीट को कुल 8 किलोमीटर की दौड़ लगानी होती है और 8 अलग-अलग फंक्शनल वर्कआउट स्टेशनों को पूरा करना होता है। रेस की शुरुआत 1 किलोमीटर की दौड़ से होती है, जिसके तुरंत बाद पहला वर्कआउट स्टेशन आता है। इसके 8 चैलेंजिंग वर्कआउट स्टेशनों में पहला स्टेशन स्कीएर्ग है। इसमें स्कीइंग मशीन पर 1,000 मीटर की दूरी पूरी करनी होती है, जो ऊपरी शरीर और कोर को टार्गेट करती है। स्टेशन 2 स्लेड पुश है। इसमें एक भारी स्लेज को 50 मीटर तक पैर की ताकत से धकेलना होता है। स्टेशन 3 स्लेड पुल होता है। 50 मीटर तक भारी स्लेज को रस्सी के सहारे अपनी तरफ खींचना होता है। स्टेशन 4 बरपी ब्रॉड जंप्स होता है। इसमें बर्पी करने के बाद आगे की तरफ लंबी छलांग लगानी होती है, जिसे 80 मीटर तक पूरा करना होता है। स्टेशन 5 में रोइंग मशीन पर 1,000 मीटर की दूरी तय करनी होती है, जो पूरे शरीर का कार्डियो टेस्ट है। स्टेशन 6 फॉर्मर्स कैरी है। इसमें दोनों हाथों में भारी केटलबेल या डंबल उठाकर 200 मीटर तक चलना होता है। स्टेशन 7 सैंडबैग लॉन्जेज होता है। इसमें पीठ पर भारी सैंडबैग (रेत की बोरी) रखकर 100 मीटर तक लंज वॉक करनी होती है। स्टेशन 8 वॉल्स बॉल्स में एक भारी मेडिसिन बॉल को स्क्वैट करते हुए दीवार पर बने निश्चित निशान पर 100 बार फेंकना होता है।

बढ़ रही पॉपुलैरिटी: पश्चिमी देशों के साथ ही एशियाई बाजारों में भारत इस समय हायरॉक्स के लिए सबसे तेजी से बढ़ता हुआ केंद्र बनकर उभरा है। साल 2025-2026 के दौरान मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों में आयोजित इसके इवेंट्स में प्रतिभागियों की संख्या में 5 गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई। इससे साबित होता है कि भारतीय फिटनेस संस्कृति में लोग अब केवल 'दिखने के लिए' बॉडी बिल्डिंग करने के बजाय, व्यावहारिक शारीरिक क्षमता को अपना नया स्टेटस सिंबल मान रहे हैं। *

अवेयरनेस

संध्या सिंह

रोड एक्सीडेंट, फायर एक्सीडेंट या अन्य हादसों की वजह से लाखों लोग हर साल ट्रॉमा सेंटर पहुंचते हैं। इमरजेंसी में लाइफ सेव करने में इनका बड़ा रोल होता है। विश्व ट्रॉमा दिवस, 17 अक्टूबर के अवसर पर जानिए, इनकी इंपॉर्टेंस के बारे में।

एक्सीडेंट-इमरजेंसी में लाइफ सेवर ट्रॉमा सेंटर



सड़क खाली थी। ट्रैफिक सामान्य था। फोन स्क्रीन पर सिर्फ एक नोटिफिकेशन चमका। ड्राइवर ने सोचा बस एक सेकेंड में देख लेता हूं। उसका अंगूठा स्क्रीन तक पहुंचा। पलभर को नजर सामने से हटी। ठीक उसी समय सामने चल रही गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। ब्रेक पेडल दबाने और उससे पहले जरूरी फैसला लेने के बीच जो कुछ सेकेंड का फासला रहा, बस उन्हीं पलों में ड्राइवर की जिंदगी की दिशा बदल गई। एक घंटे बाद जब उसे होश आया, वह ट्रॉमा सेंटर में था।

जरा भी लापरवाही होती है खतरनाक: सड़क हादसे अकसर किसी बहुत बड़ी गलती से नहीं होते, कई बार इनकी वजह बस एक सेकेंड को सामने से ध्यान हटना भर होता है। कभी बज रहे मोबाइल फोन को उठा लेने की वजह से, कभी एक मैसेज पढ़ लेने के लालच से या कभी सोशल मीडिया के किसी नोटिफिकेशन को देखने की उत्सुकता के चलते, बड़ा से बड़ा एक्सीडेंट हो जाता है। ऐसे में समस्या मोबाइल के महज हाथ में लेने भर की नहीं है, असली समस्या उस क्षण हमारा ध्यान सड़क से हट जाना है। क्योंकि आज मोबाइल हमारी जेब में रखा महज एक उपकरण भर नहीं है। यह हमारी लगातार चलती-फिरती दुनिया का नियंत्रण केंद्र है। सड़क पर वाहन चलाते समय इस दुनिया की तरफ ध्यान देने भर की कोशिश कई बार जानलेवा होती है।

क्या है ट्रॉमा सेंटर: केंद्र सरकार की योजना नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमा एंड बर्न इंजरीज (एनपीपीएमटी एंड बीआई) के तहत दिसंबर 2024 में देश में 163 ट्रॉमा सेंटर चल रहे थे, जबकि 2026 के अंत तक इन्हें बढ़ाकर 196 किए जाने का लक्ष्य है। ट्रॉमा सेंटर कोई अलग अस्पताल नहीं होता, इसकी स्थापना के पीछे मूल अवधारणा यह है, 'घायल व्यक्ति को शुरुआत से लेकर ऑपरेशन, विशेषज्ञ उपचार और रिहैबिलिटेशन' तक एक संगठित और लगातार चलने वाली ट्रॉमा केयर उपलब्ध कराना।

लाखों लोगों की बचती है जान: साल 2019-20 में हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 97.9 लाख लोगों का ट्रॉमा रजिस्ट्रेशन हुआ था। हालांकि यह सभी ट्रॉमा सेंटरों के मरीज नहीं बल्कि रिपोर्ट किए गए मामले थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हर साल कितने बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं के शिकार लोग ट्रॉमा सेंटर पहुंचते हैं। आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एआईआईएमएस) के जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में 1,70,576 लोग ओपीडी पहुंचे थे, जिनमें 7,379 लोगों को एडमिट किया गया था और इनमें से 7,535 सर्जरी हुई थी। देश में साल 2023 में 4,80,583 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुई थीं, जिनमें 4,62,825 लोग घायल हुए थे, जबकि 1,72,890 लोगों की मृत्यु हो गई थी। ट्रॉमा का मतलब केवल सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराना भर नहीं होता है। कार्यस्थलों में होने वाली दुर्घटनाओं, आग के शिकार लोगों तथा हिंसा आदि में शिकार लोगों को तुरंत इलाज उपलब्ध कराना भी इसें शामिल है।

रोड एक्सीडेंट है बड़ी वजह: स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो देश में हर साल 10 फीसदी से ज्यादा मौतें लोगों के दुर्घटनाओं में शिकार होने से होती हैं। इनमें सबसे ज्यादा होने वाली सड़क दुर्घटनाएं हैं। सिर्फ फोन के कारण ही सड़क दुर्घटनाएं नहीं होती हैं, सड़क पर गाड़ी चलाते समय अचानक कुछ ही सेकेंडों के लिए ही सही ड्राइवर को नींद आ जाना, अचानक आगे चल रही गाड़ी का रुक जाना या गलत दिशा में मुड़ जाना आदि सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण होते हैं। हमें यह समझना होगा कि कोई भी सूचना जिंदगी से ज्यादा कीमती नहीं होती। इसलिए गाड़ी चलाते समय कभी भी एक सेकेंड के आत्मविश्वास में मैसेज नहीं देखना चाहिए या फोन नहीं सुनना चाहिए। *

हेल्थ सजेशन

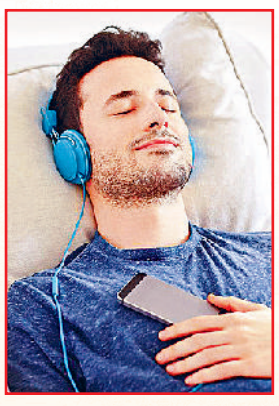
शिखर चंद जैन

स्वस्थ जीवन के लिए अच्छा खान-पान, साफ-सफाई आदि तो जरूरी है ही, हमारे दैनिक जीवन में कुछ आदतों में सुधार और दिनचर्या में कुछ आदतों को शुमार करना भी जरूरी है। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

स्वस्थ रहने के आसान सूत्र

अगर आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ आदतों को शामिल कर लें तो इसका असर आपकी हेल्थ पर पड़ेगा।

नाक से सांस लेना: कई लोगों को देखा जाता है कि वे अकसर मुंह से सांस लेते हैं या डीप ब्रीदिंग न करके उथली व छिछली ब्रीदिंग करते हैं। यह गलत है। सांस हमेशा नाक से लें और गहरी सांस लें। नाक के अंदर 'नाइट्रिक ऑक्साइड' गैस बनती है। जब हम नाक से सांस लेते हैं, तो यह गैस फेफड़ों में जाती है, जिससे रक्त वाहिकाएं चौड़ी हो जाती हैं और शरीर 18 प्रतिशत अधिक ऑक्सीजन सोख पाता है। जागते समय दिन भर और सोते समय भी सचेत रहें कि आपका मुंह बंद रहे। अगर सोते समय मुंह खुलता है, तो 'माउथ टेपिंग' (विशेष टेप) का उपयोग आजकल एक रिसर्च आधारित ट्रेंड है। दिन भर आप नाक से सांस ले रहे हैं या नहीं इसके लिए शुरू में ब्रीदिंग चेक करें। हर 1-2 घंटे में एक रिमाइंडर सेट करें (या फोन पर वॉलपेपर लगाएं) यह चेक करने के लिए कि आपका मुंह बंद है और आप नाक से गहरी सांस ले रहे हैं। अगर डेस्क जॉब है, तो हर बार पानी पीते समय 2 मिनट अपनी नाक से होने वाली सांस पर ध्यान दें। इस तरह धीरे-धीरे आपकी आदत ठीक हो जाएगी।





ग्राउंडिंग या अर्थिंग: विज्ञान कहता है कि पृथ्वी की सतह में 'मुक्त इलेक्ट्रॉन' का भंडार होता है। जब हमारी त्वचा सीधे मिट्टी या घास के संपर्क में आती है, तो ये इलेक्ट्रॉन शरीर में प्रवेश कर एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। शोध बताते हैं कि यह शरीर की सूजन को कम करता है और नींद की गुणवत्ता सुधारता है। इसके लिए रोज सुबह 10-15 मिनट नंगे पैर घास, गीली मिट्टी या रेत पर चलें। कंक्रीट या टाइल्स पर यह काम नहीं करता। जमीन पर लेटना, नदी, तालाब, झील में पैर डाल कर बैठना भी फायदेमंद है। गठिया में इससे फायदा होता है।

सर्केडियन ईटिंग: हमारे शरीर के हर अंग की अपनी एक घड़ी होती है। पाचन तंत्र सूर्योदय के समय सबसे सक्रिय और सूर्यास्त के बाद धीमा हो जाता है। रात को देर से खाने से शरीर भोजन को पचाने में ऊर्जा लगाता है, जिससे 'सेलुलर रिपेयर' (कोशिकाओं की मरम्मत) का काम रुक जाता है। इसके लिए 'सनराइज टू सनसेट' नियम अपनाएं। कोशिश करें कि रात का आखिरी भोजन सूर्यास्त के 2-3 घंटे के भीतर या रात 8 बजे से पहले हो जाए। रात को सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले कुछ न खाएं। अगर भूख लगे, तो सिर्फ हर्बल टी या पानी लें। इससे सोते समय आपका शरीर 'पाचन' के बजाय 'रिपेयरिंग' (मरम्मत) पर ध्यान दे पाएगा।



योग निद्रा: स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार, योग निद्रा दिमाग को 'थीटा' और 'डेल्टा' ब्रेन वेव अवस्था में ले जाता है। यह गहरी नींद के बिना भी नर्वस सिस्टम को शांत करता है और मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ाता है। इसके अभ्यास के लिए दिन में जब भी थकान महसूस हो, 15-20 मिनट के लिए लेट जाएं और किसी गाइडेड 'योग निद्रा' ऑडियो को सुनें। यह 2 घंटे की नींद जितनी ताजगी दे सकता है। दिनचर्या में जब सुस्ती महसूस हो, तो 20 मिनट आंखें बंद करके लेट जाएं। *

(डाइटिशियन पिंकी गोयल, लाइफ स्टाइल कोच हरिराम अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

श्रीराम से बिछुड़ने की कल्पना से व्यथित राजा दशरथ का विलाप देखकर हुईं दर्शकों की आंखें नम

झंडा चौक रामलीला में दशरथ-कैकेयी संवाद और राम वनवास की मार्मिक लीला के मंचन से दर्शक भावविभोर

पहले वरदान में भरत के लिए अयोध्या का राजसिंहासन और दूसरे में श्रीराम के लिए 14 वर्ष के वनवास की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली मंडी के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला के आठवें दिन दशरथ-कैकेई संवाद और भगवान श्रीराम के वनवास की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। श्रीराम के वनवास की सूचना मिलते ही अयोध्या में छाए शोक और राजा दशरथ की व्यथा के दृश्यों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। लीला का आरंभ दासी मंथरा द्वारा कैकेई को भरत के भविष्य का भय दिखाने से हुआ। मंथरा के बहकावे में आकर कैकेई कोपभवन में चली जाती हैं और राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगती हैं। पहले वरदान में भरत के लिए अयोध्या का राजसिंहासन और दूसरे में श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगती हैं। कैकेई के वचन सुनकर राजा दशरथ व्याकुल हो उठते हैं और उन्हें मनाने का हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन कैकेई अपने निर्णय पर अडिग रहती हैं।

पुत्र श्रीराम से बिछुड़ने की कल्पना से व्यथित राजा दशरथ का विलाप देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। वहीं वनवास की सूचना मिलने पर श्रीराम ने बिना किसी विरोध के पिता के वचन का पालन करने का निर्णय लिया। उन्होंने रघुकुल की परंपरा का निर्वहन करते हुए पिता के वचन को सर्वोपरि माना। राम-कौशल्या, राम-सीता, लक्ष्मण-सुमित्रा और दशरथ-कैकई के संवादों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। रामलीला में राजा दशरथ की भूमिका सुनील वकील, कैकेई की भूमिका मुन्ना, श्रीराम की भूमिका उमेश, माता सीता की भूमिका भव्या गोयल ने निभाई। इस मौके पर नगर पालिका के वाईस चेयरमैन रामकिशन जांगिड़, अरुण यादव राजपुरा, कृष्ण राजपुरा, मनोज राजपुरा, सुमित जांगिड़, गौरव गर्ग, पवन शास्त्री, राजवीर जांगिड़, अजय मुदगिल सहित अनेक गणमान्य लोग और महिलाएं मौजूद रहीं।



मंडी अटेली। रामलीला में राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगती कैकेई।

मंथरा के बहकावे में कैकेयी कोपभवन में बैठी



महेंद्रगढ़। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के शक्तिपीठ रंगमंच पर बीती रात राम वनवास की लीला का मार्मिक मंचन किया गया। लीला में मुख्यातिथि प्रदेश अध्यक्ष स्वर्ण समाज अखीराम सोनी, जबकि अध्यक्षता जितेंद्र तवंर ने की। लीला में मंचन में मंथरा की कुटिल चाल, कैकेयी की हठ और महाराज दशरथ की विवशता ने राजतिलक की खुशियों को मातम में बदल दिया। कलाकारों के प्रभावशाली संवादों और भावपूर्ण अभिनय ने दर्शकों को रामकथा के उस प्रसंग से रूबरू कराया, जहां एक ओर वचन की मर्यादा थी तो दूसरी ओर पुत्र वियोग का असहनीय दर्द छिपा था। लीला में मंथरा की भूमिका निभा रहे, कलाकार अमित सोनी ने अपनी कुटिल चालों से कैकेयी के मन में भरत के राजतिलक का स्वार्थ जगाया। मंथरा के बहकावे में आकर कैकेयी बने नवीन लोहमवाल कोपभवन में जा बैठीं।

सोहन टैनी ने दमदार रोल निभाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं



महेंद्रगढ़। श्री रामलीला परिषद के सिद्धपीठ रंगमंच पर पांचवीं रजनी में सीता स्वयंवर एवं धनुष यज्ञ की लीला का प्रभावशाली मंचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला महामंत्री योगेश शास्त्री ने की। विधायक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। परिषद ने पार्षद सोनू का स्वागत किया तथा विधायक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। मंचन में राम बने विकास भारद्वाज ने शिव धनुष भंग कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। सीता स्वयंवर के दृश्य में धनुष टूटते ही रंगमंच जय श्रीराम के जयघोष और तालियों से गूंज उठा। सीता बनीं राजन सैनी, राजा जनक बने आनंद सोनी तथा गुरु शतानंद बने राहुल गर्ग ने अपने अभिनय से प्रसंग को प्रभावशाली बनाया। रावण बने राजू सोनी और बाणासुर बने सोहन टैनी के बीच ओज, शौर्य और अहंकार से ओतप्रोत संवादों ने वीर रस का संचार किया। दोनों कलाकारों की बुलंद आवाज, रौबदार संवाद अदायगी और दमदार अभिनय ने दर्शकों में जोश भर दिया। वहीं लक्ष्मण बने विनय भारद्वाज और परशुराम बने दिलीप गोस्वामी के बीच तीखे वाक्-युद्ध ने मंचन में रोमांच का नया रंग भर दिया। लक्ष्मण के व्यंग्यपूर्ण प्रत्युत्तर और परशुराम के क्रोधपूर्ण संवादों पर पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

निवाजनगर में रामलीला में जुटी भक्तों की भीड़



नारनौल। श्री दुर्गा रामलीला सेवा समिति निवाजनगर में कोप भवन व राम वनवास की लीला का मंचन किया गया। मुख्य अतिथि कैलाश सिंह सैन रिटायर्ड इंस्पेक्टर हरियाणा पुलिस ने रिबन काटकर लीला का शुभारंभ किया। प्रधान कुलदीप सैनी ने बताया कि मंथरा दासी के कहने पर कैकई ने अपने दो वरदान राजा दशरथ से मांग लिए, एक में राम को 14 वर्ष का वनवास और दूसरे में भरत के लिए राज। भगवान राम ने भी अपने पिता के वचन को अच्छी तरह निभाने के लिए वनों में चले गए। लीला में दशरथ की भूमिका किशनलाल जोशी, कैकेई की पवन कुमार, मंथरा की संजय शास्त्री, राम की योगेश, लक्ष्मण की रवि सैनी, कौशल्या की पुनित, सुमित्रा की रितिक ने निभाया। इस मौके पर सरपंच रमेश कुमार स्वामी, मदनलाल वर्मा, प्रवीण सैन, कमल सैनी, वीरेन्द्र शर्मा, शशिकांत वर्मा, कृष्ण सैनी मौजूद रहे।

माता भूरा भवानी मंदिर में हुई मां कुष्मांडा की पूजा-अर्चना



महेंद्रगढ़। नवरात्रि के चौथे दिन माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ में मां कुष्मांडा की पूजा अर्चना की गई। मंदिर की महंत शक्तिनाथ महाराज और पंडित रतन लाल शर्मा ने बताया कि देवी दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कुष्मांडा की पूजा करने से व्यक्ति को धन की प्राप्ति होती है। साथ हीं बल और बुद्धि में भी वृद्धि होती है। माता भूरा भवानी के दर्शन करने व पूजा पाठ करने, मन्नत मांगने के लिए सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। कमेटी प्रधान संदीप यादव, सचिव मा. अनिल सिसोठिया व कमेटी सदस्य मुकेश चौहान ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन 24 घंटे अखंड ज्योत जलती है, सुबह–शाम पूजा अर्चना होती है और प्रतिदिन सुबह 10 बजे महंत शक्तिनाथ के सानिध्य में हवन होता है।

राजा दशरथ के प्राण त्यागने का हुआ मंचन, श्रद्धालु हुए भावुक



नारनौल। मोहल्ला चांदुवाड़ा स्थित श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट द्वारा आयोजित 77वें ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में मंगलवार को श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंचन के दौरान कलाकारों ने राम वनवास व दशरथ मरण प्रसंग को बेहद जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। मंचन की शुरूआत में प्रभु श्रीराम ने माता कौशल्या से वनवास जाने की आज्ञा व आशीर्वाद लिया। इसके बाद राम, लक्ष्मण और सीता जी के वन गमन दृश्य को देख दर्शकों की आंखें नम हो गई। इस अवसर पर दीपक हरित ने राम, अनिल चौहान ने लक्ष्मण, राजेश सोनी ने सीता, दिनेश सैनी ने कौशल्या, मनमोहन ने दशरथ, रोहित ने कैकेई, विष्णु शर्मा ने केवट, बृज मोहन ने सुमन्त व सत्यम वर्मा ने वशिष्ठ का अभिनय किया।

मोती नगर में हुआ सुंदरकांड पाठ



नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को सुंदरकांड पाठ का आयोजन कृष्ण लाल वधवा के निवास स्थान मोती नगर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल ने की। सर्वप्रथम आचार्य अश्वनी शर्मा ने विधिवत गणेश पूजन, नवग्रह पूजन करवाया। इसके बाद महावीर प्रसाद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, नवीन बंसल, चंचल, प्रवेश, संजय शर्मा, विजय हल्दिया, नरेंद्र गर्ग, रामेश्वर शर्मा, गौरीशंकर शर्मा, प्रशांत सैनी, शिवशंकर अग्रवाल, नवीन जैन ने सुंदरकांड पाठ का वाचन किया। महावीर प्रसाद अग्रवाल ने आना पवन कुमार, संजय शर्मा ने भवानी मेरी मैया, नरेंद्र ने सज धज कर बैठी मां, राकेश गुप्ता ने लूटा रहा लूट रहा आदि भजनों से भगवान की महिमा का गुणगान किया। इस मौके पर मंडल सलाहकार संजय अग्रवाल, ओमप्रकाश अरोड़ा, पूर्णचंद, चिंटू गुप्ता, प्रमोद गर्ग, महेश मित्तल, दीपक सिंघल, नितिन जैन, डिंपल वधवा, दर्शन वधवा आदि उपस्थित थे।



मंडी अटेली में गूंजे माता के जयकारे

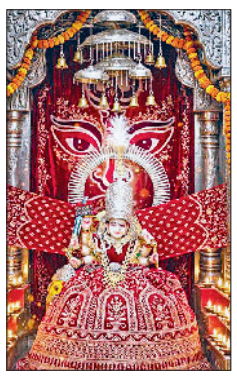
मंडी अटेली। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन मां भगवती कीर्तन मंडली द्वारा पुराने बस स्टैंड पर स्थित रमेश चंद अखबार वालों के यहां भव्य 'माता की चौकी' का आयोजन किया गया। रात 9 बजे से 12 बजे तक चले इस धार्मिक कार्यक्रम में माता रानी का बेहद मनमोहक और भव्य श्रृंगार किया गया, जिसने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया। भजन बेला की शुरुआत में प्रसिद्ध गायक सुनील गोयल ताजपुरिया ने माता मेरी झोली भर दे, तेरे द्वार मैं आया/"भजन प्रस्तुत कर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शहर के अन्य विख्यात गायकों के सुरीले भजनों और गगनभेदी जयकारों से पूरा वातावरण पूरी तरह देवी भक्ति में सराबोर हो गया। इस मौके पर नगर पालिका के वाइस चेयरमैन रामकिशन जांगिड़, आनंद शर्मा, इंद्रजीत जांगिड़ सहित मंडली के प्रमुख सदस्य जितेंद्र सिंघल, राजेंद्र महावरिया, सुनील गोयल, मुकेश गर्ग, हेमंत लाटा, पिंकी शर्मा, सुरेंद्र सेक्रेटरी,भवानी गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।



मैया पार करो मेरा बेड़ा... पर झूमे श्रद्धालु

नारनौल। श्रीराम हनुमान गुणगान प्रचार मंडल एवं श्रीराम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ के तत्वावधान में मंगलवार रात मोहल्ला गुरुनानकपुरा में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान आचार्य क्रांति निर्मल ने की, जबकि मंडल के संरक्षक महेश शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। सर्वप्रथम पंडित अजय शर्मा ने यजमान सुभाषचंद, प्रमोद कुमार चौधरी व आशीष चौधरी से परिवार सहित पूजन करवा ज्योति प्रज्वलित करवाई। इसके बाद हनुमान चालीसा व रामधुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया, जिसमें पंडित महेश शर्मा, क्रांति निर्मल, दीपक शर्मा, अजय शर्मा, हरीश व सुरेंद्र सैनी आदि ने सुंदरकांड पाठ के दौहे व चौपाइयों का गायन किया। इसके बाद डॉ. ओमप्रकाश ने हमरी नगरिया चले आना प्रभुजी हमरी नगरिया, अनिल लख्खा ने पार करो मेरा बेड़ा ओ मैया पार करो मेरा बेड़ा भजन सुनाकर झूमने पर विवश कर दिया।

चामुंडा देवी मंदिर में भजनों पर झूमीं महिलाएं



नारनौल। नवरात्रों के चौथे दिन मां चामुंडा देवी मंदिर में माता की मूर्ति को विशेष रूप से सजाया गया। इस दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक महिलाओं ने भजन-कीर्तन किया। महिलाओं ने माता की महिमा का गुणगान किया, वहीं भजनों पर झूमकर नृत्य भी किया। इससे मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। भजन-कीर्तन में शमी, शशि, सोनिया, चंदा, ऋतु, चंचल, शोभा, लक्ष्मी, शालू और शशि सहित अन्य महिलाओं ने माता के भजन प्रस्तुत किए। महिलाओं ने भक्ति भाव से मां चामुंडा देवी की आराधना की। मंदिर के पंडित विनोद शर्मा ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक महीने की नवमी को सत्संग होता है। इस बार नवरात्रों के चलते मासिक सत्संग 15 अक्टूबर, बृहस्पतिवार को होगा। इसमें शहर के कलाकार माता का गुणगान करेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सत्संग में भाग लेने और मां का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मंदिर में माता का मेला आखिरी नवरात्र यानी 20 अक्टूबर को शाम के समय भरेगा। इस अवसर पर शाम साढ़े सात बजे महाआरती की जाएगी। मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस मौजूद रहेगी। मंदिर प्रबंधन की ओर से श्रद्धालुओं से शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

दुर्गा पूजा महोत्सव में की मां के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा

नारनौल। टाइगर क्लब परिवार की ओर से पुरानी कचहरी मैदान में चल रही दुर्गा पूजा महोत्सव में मंगलवार रात मां के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा की गई। क्लब प्रधान राकेश यादव, उप प्रधान राजेश सैनी, कोषाध्यक्ष मनोज सिंघल, अध्यक्ष टीटू सोनी ने बताया सर्वप्रथम नारायण शास्त्री व गगन भारद्वाज ने क्षेत्र के तुलसी तिवाड़ी व उनकी पत्नी, बेटे व मंडल के सदस्यों से माता की ज्योति प्रज्वलित करवाई। वहीं विकास जांगिड़ ने गणेश वंदना की। इसके बाद जयपुर से गायिका नेहा अरोड़ा ने मां के भजनों की अमृत वर्षा करते हुए भक्तों को झूमने पर विवश कर दिया। अतिथिगण समाजसेवी अमित वधवा व पत्नी पूनम वधवा को क्लब सदस्यों ने माता रानी का पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर पवन यादव, राजेश लखेरा, नरेंद्र बंसी, कैलाश नम्बरदार, राकेश यादव, सुरेंद्र यादव, जयप्रकाश अग्रवाल, मनीष गोगिया, सुनील शर्मा, प्रवीण यादव, विश्वाश एडवोकेट, रवि खन्ना, पवन अग्रवाल, मोहित चौधरी, सुधांसु शर्मा आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पर्यावरण विषय पर हुई पेंटिंग व लेखन स्पर्धा

महेंद्रगढ़। राजकीय माध्यमिक विद्यालय बारडा में मुख्य अध्यापक ताजवीर के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण विषय पर पेंटिंग और लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें भाविका व दिक्षा प्रथम, यश एवं जतिन द्वितीय तथा अराध्या व जय तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान पौधारोपण कर पौधे में दवा पानी डाली गई। मुख्य अध्यापक ताजवीर ने बताया कि इस मौसम में दीमक पौधों के आसपास सक्रिय हो जाती हैं और पौधे अपने आप को मौसम के अनुकूल ढालते है। इसलिए इस समय पौधों को दवा पानी डाल सुरक्षित करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रयास

जैलाफ स्कूल में छात्रों को किया सम्मानित

नारनौल। एनसीईआरटी के तत्वाधान में खंड शिक्षा अधिकारी के दिशानिर्देशन में आयोजित खंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में रावमावि जैलाफ के छात्र प्रवीण पुत्र बलवान सिंह कक्षा 11वीं ने द्वितीय तथा मयंक पुत्र सुरेश कुमार कक्षा 10वीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया व विजेताओं को पुरस्कृत किया। इन छात्रों ने अपने मार्गदर्शक प्रवक्ता धर्मसिंह के नेतृत्व में इस प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रवक्ता धर्मसिंह ने बताया कि इन छात्रों ने ग्रीन एनर्जी और आपदा प्रबंधन अप विषयों पर अपने मॉडल अच्छे तरीके से प्रस्तुत किए। अब यह दोनों छात्र जिला स्तर पर बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लेंगे।



हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स का शुरू हुआ स्टैंडर्ड जजिंग कैंप

महेंद्रगढ़। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा की ओर से राज्य स्तरीय स्टैंडर्ड जजिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह चार दिवसीय कैंप 17 अक्टूबर तक जूई खुर्द स्थित श्री कृष्ण प्रणामी आश्रम केंद्र में चलेगा। महंत संत शिरोमणि हिंदू रत्न डॉ. स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में राज्य प्रशिक्षण केंद्र में किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला महेंद्रगढ़ के स्काउट एंड गाइड स्कोर आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने विद्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला सचिव राजेश शर्मा झाड़ली ने बताया कि इस कैंप में हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस राज्य स्तरीय कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और स्काउट्स एवं गाइड्स में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सेवा भावना तथा टीम भावना को बढ़ावा देना है। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और नई गतिविधियों को सीखने का अवसर मिलता है।

इनेलो नेताओं ने अनाज मंडी में सुनीं किसानों की समस्याएं

नारनौल। जिले में बाजरा खरीद को लेकर किसानों को आ रही समस्याओं के बीच बुधवार को इनेलो नेताओं एवं पदाधिकारियों ने नई अनाज मंडी स्थित खरीद केंद्र का दौरा किया। इनेलो नेशनल पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य एवं पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा ने किसानों से बातचीत कर खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने धीमी खरीद, गेट पास, सर्वर और पोर्टल संबंधी दिक्कतों तथा मंडी में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर चिंता जताई। कहा कि खरीद में देरी के कारण किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे किसानों का समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली का किराया, डीजल और अन्य खर्च किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। गेट पास जारी करने, अंगूठे के निशान, सर्वर डाउन तथा पोर्टल पर आंकड़ों के सत्यापन जैसी समस्याओं का समाधान करें।



एसडी स्कूल ककराला में टीम चयन ट्रायल



कनीना। एसडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ककराला परिसर में खेल महाकुंभ 2026-27 के तहत टीम चयन ट्रायल का शुभारंभ हुआ। इस जिला स्तरीय आयोजन की शुरुआत विद्यालय के उप-निदेशक पूरन सिंह व प्रधानाचार्य अरविंद कुमार तोमर ने की। पहले दिन बॉक्सिंग व भारोत्तोलन के महिला तथा पुरुष वर्ग के चयन ट्रायल आयोजित किए गए। ट्रायल प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए खेल विभाग के अनुभवी प्रशिक्षक मौजूद रहे। यह पूरी चयन प्रक्रिया रेवाड़ी से रेनू व ममता, झज्जर डीएसओ कार्यालय से वेटलिफ्टिंग कोच धर्मेन्द्र सिंह, नारनौल डीएसओ कार्यालय से मनोज, धर्मेन्द्र और रविन्द्र की देखरेख में संपन्न हुई। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन जगदेव यादव ने कहा कि खेल केवल शारीरिक तंदुरुस्ती का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और टीम भावना को विकसित करते हैं।



प्रदर्शनी में सरस्वती स्कूल का शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। खंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में किया गया, जिसमें महेंद्रगढ खंड के कक्षा छठ्ठी से 12वीं के हरियाणा शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त विभिन्न स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने-अपने मॉडल के साथ भाग लिया। इस खंड स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में सरस्वती शिक्षा निकेतन की छात्रा चेतना यादव ने डिजास्टर मैनेजमेंट थीम व छात्रा दिया ने इनडिजीनस एग्रीकल्चर प्रैक्टिस थीम पर अपने अध्यापक मनोज शर्मा, मनीष कुमार व विप्रा यादव के मार्गदर्शन में अपने मॉडल तैयार किए। इस प्रदर्शनी में शानदार प्रस्तुति देकर खंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब ये दोनों छात्राए जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। विद्यालय चेयरमैन रोशनलाल यादव ने दोनों छात्राओं को सम्मानित किया व उन्हें इस सफलता पर बधाई दी।

विजेता को 75 हजार और दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले को 65 हजार रुपये का मिलेगा पुरस्कार

कुरुक्षेत्र में होगी राज्य स्तरीय नगाड़ा प्रतियोगिता

तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले को मिलेगा 55 हजार रुपये का इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत एवं लोक वाद्य कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय नगाड़ा (बंचारी) प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। मल्टी आर्ट सेंटर में आयोजित प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदेश की पारंपरिक नगाड़ा वादन कला को संरक्षण प्रदान करने के साथ साथ लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में हरियाणा के मूल निवासी कलाकार ही भाग ले सकेंगे तथा प्रतिभागियों को अपने साथ आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक दल में 10 कलाकारों का होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त सभी दलों की प्रस्तुति हरियाणवी लोक परिधान एवं वेशभूषा में होनी चाहिए, ताकि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

10-10 हजार रुपये के पांच सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक दल को प्रस्तुति के लिए तीन से पांच मिनट का समय दिया जाएगा। प्रस्तुति पारंपरिक रसिया गायन अथवा हरियाणा के पारंपरिक लोक संगीत पर आधारित होनी अनिवार्य है। फिल्मी धुनों का प्रयोग वर्जित रहेगा। इसके साथ ही प्रस्तुति में प्राचीन परंपरा के अनुरूप पारंपरिक लोक वाद्य यन्त्रों का उपयोग करना अनिवार्य होगा। इन नियमों का उद्देश्य लोक संगीत की मौलिकता और पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखना है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को तीन आकर्षक एवं पांच सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 75,000 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले दल को 65,000 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दल को 55,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पांच सांत्वना पुरस्कार में प्रत्येक विजेता दल को 10,000 रुपये की राशि मिलेगी।

नहीं मिलेगा यात्रा भत्ता

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दलों को निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। प्रत्येक कलाकार केवल एक ही दल के साथ प्रस्तुति दे सकता है। यदि कोई कलाकार दूसरे दल में भी पाया जाता है, तो संबंधित दल को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कलाकारों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। उन्होंने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा की यह पहल प्रदेश की पारंपरिक लोक कलाओं को नई पहचान देने, लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने तथा युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राकेश शर्मा ने की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव से मुलाकात



नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राकेश शर्मा ने कर्नाटक की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव के गुड़गांव स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर एडवोकेट राकेश शर्मा ने डॉ. सुधा यादव का मुंह मीठा कराकर अपनी खुशी जाहिर की और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। डॉ. सुधा यादव की इस महत्वपूर्ण संवैधानिक जिम्मेदारी को लेकर क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के लिए सम्मान और गौरव से जोड़कर देखा जा रहा है। एडवोकेट राकेश शर्मा ने इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि डॉ. सुधा यादव अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण और संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप करेंगी। एडवोकेट राकेश शर्मा ने डॉ. सुधा यादव के उत्तम स्वास्थ्य, सुखद भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की।

सूचना

मैं, दीपक कुमार पुत्र वीरेंद्र सिंह वासी गांव गांवड़ी जाट तहसील नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम रेवंश (Revansh) दर्ज हो गया। जबकि उसके जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम रेवंश कुमार (Revansh kumar) है जो कि सही है। नियम अनुसार आधार कार्ड में भी उसका नाम रेवंश कुमार (Revansh kumar) करने का कष्ट करें।

खबर संक्षेप

महासर माता की निशान पद यात्रा आज

मंडी अटेली। शारदीय नवरात्रे पर महासर माता मंदिर में चल रहे मेले में पंचमी आज 15 अक्टूबर को अटेली से निशान यात्रा शोभा निशान पदयात्रा निकाली जाएगी। अटेली के कृष्णा चौक नया बस स्टैंड से शुरू हो कर महासर माता मंदिर तक निकलेगी। जानकारी देते हुए महासर माता मंदिर के प्रबंधक रूपेंद्र ने बताया कि निशान यात्रा को सवा तीन बजे हरी झंडी माता के भक्त व भामाशाह श्रीधर गुप्ता दिखा कर रवाना करेंगे।

आशीर्वाद गार्डन में रक्तदान शिविर कल

मंडी अटेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सुशासन एवं जनसेवा को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत कल 16 अक्टूबर को अटेली के आशीर्वाद गार्डन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा हरियाणा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पुर्व सरपंच प्रदीप सराय ने जानकारी दी है।

पुलिसकर्मियों ने किया रक्तदान

नारनौल। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को पुलिस लाइन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 22 पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। डीएसपी डॉ. कविता ने रक्तदाताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानव सेवा का अनमोल कार्य है। दान किया गया रक्त किसी जरूरतमंद के बहुमूल्य जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है।

योजनाओं के लाभ के लिए 3073 लोगों ने किया आवेदन

नारनौल। मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशानुसार जिले में चलाया गया सेवा संकल्प अभियान के तहत चलाया गया सेवा सेतु कैंप बुधवार को संपन्न हुए। अभियान के तहत जिले में कुल 39 सेवा सेतु कैंप लगाए गए। इस दौरान 3073 नागरिकों ने सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना और लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर लोगों में खास उत्साह देखने को मिला। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने दी है।

नांगल चौधरी अनाज मंडी में बाजरे की आवक बढ़ने पर आढ़तियों ने संभाला मोर्चा, सरकारी एजेंसी के हाथ खाली

निजी व्यापारियों ने संभाली खरीद की कमान, बुधवार को 630 गेट पास कटे

मंडी में बाजरे की आवक एक लाख क्विंटल पार, खरीद महज 199.5 क्विंटल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित जल महल के समीप अनाज मंडी में बाजरे की आवक धड़ाधड़ हो रही है। खरीद शुरू होने के बाद बुधवार तक मंडी में बाजरे की कुल आवक एक लाख क्विंटल का आंकड़ा पार कर गई। इसके बावजूद सरकारी खरीद एजेंसी हैफेड की खरीद महज 199.5 क्विंटल तक सिमटी हुई है। निजी व्यापारी ही प्रमुखता से बाजरे की खरीद कर रहे हैं। बुधवार को मंडी में 630 गेट पास काटे गए और किसान करीब 17 हजार 630 क्विंटल बाजरा लेकर पहुंचे। इससे पहले तक 88,427 क्विंटल बाजरे की खरीद हो चुकी थी। बुधवार की आवक मिलाकर यह आंकड़ा एक लाख क्विंटल से ऊपर पहुंच गया। बाजरे के भाव 2,280 से 2,370 रुपये प्रति क्विंटल रहे, जबकि मंडी में अब तक अधिकतम भाव करीब 2,416 रुपये प्रति क्विंटल दर्ज किया गया है।





नारनौल। मंडी से बाहर निकले ट्रक के कागज चेक करती सचिव नुकुल यादव। मंडी में सड़क पर लगाई बाजरे की ढेरी।

बाजरे का समर्थन मूल्य 2,900 रुपये प्रति क्विंटल घोषित

सरकार ने बाजरे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,900 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है। वहीं, पात्र किसानों को जे-फार्म के आधार पर 600 रुपये प्रति क्विंटल भावांतर भरपाई देने की घोषणा की गई है। उधर, मार्केट कमेटी की कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव नुकुल यादव ने बुधवार को मंडी से बाहर निकलने वाले बाजरे से लदे ट्रकों के दस्तावेजों की जांच की। रिकार्ड सही मिलने पर ही वाहनों को जाने दिया गया। ई-नाम के माध्यम से अब तक करीब 139 क्विंटल बाजरे की बिक्री हुई है। इसके जरिए उन किसानों ने फसल बेची, जिनका बाजरा ई-खरीद पोर्टल पर पंजीकृत नहीं था।

250 किसानों ने 8 हजार क्विंटल बाजरा बिक्री का कराया टोकन

नांगल चौधरी। अनाज मंडी में बाजरे की खरीद को लेकर सरकारी एजेंसी की बेरुखी के बीच निजी खरीदार किसानों के लिए सहारा बनकर सामने आए हैं। समर्थन मूल्य पर खरीद की उम्मीद लगाए बैठे किसानों को जब एजेंसी से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, तो आढ़तियों ने निजी खरीद को प्राथमिकता देकर बाजरे की खरीद शुरू की। नतीजा यह रहा कि बेहतर भाव मिलने की उम्मीद में मंडी में बाजरे की आवक बढ़ने लगी। शुक्रवार को करीब आठ हजार क्विंटल बाजरा मंडी पहुंचा और 250 किसानों ने बिक्री के लिए टोकन कटवाए। निजी खरीद के दौरान किसानों को 2250 से 2310 रुपये प्रति क्विंटल तक भाव मिले। टोकन के अनुसार पहुंचे बाजरे की तुलाई उसी दिन करवाई गई और किसानों को जे-फार्म भी उपलब्ध कराया गया। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने में ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। आढ़तियों की सक्रियता से खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ी तो किसानों ने भी राहत की सांस ली। दूसरी तरफ हैफेड के कर्मचारी मंडी में मौजूद होने के बावजूद बाजरे की खरीद नहीं कर पाए। बाजार में ऊंचे भाव मिलने के कारण उन्हें खरीद के लिए बाजरा नहीं मिला। हालांकि मंडी में कुछ बाजरा 2150 से 2250 रुपये प्रति क्विंटल तक भी बिका, लेकिन वहां भी खरीद में कर्मचारियों ने रुचि नहीं दिखाई। ऐसे में खरीद प्रक्रिया में एजेंसी की भूमिका औपचारिकता बनकर रह गई है। मंडी में बाजरा लेकर आए रामोतार, बिजेंद्र सिंह, मोहरलाल, अशोक कुमार, बसंतलाल ने बताया कि गेट पर प्रवेश करते ही मार्केट कमेटी ने दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करके टोकन जनरेट कर दिए, लेकिन खरीद करने कोई सरकारी एजेंसी नहीं पहुंची।

पुरानी कचहरी स्थित जलघर की तीनों मोटरें खराब, पेयजल आपूर्ति ठप

मोटरें बार-बार फूंकने से 15 से 20 मोहल्लों में नौ दिन से जल संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के पुरानी कचहरी स्थित जलघर में लगाई गई मोटरें बार–बार फुंकने से लोगों के लिए भारी सिरदर्द बन गई हैं। बार-बार मरम्मत करवाने के बावजूद मोटरें दोबारा फुंक रही हैं और इसका खामियाजा शहर के 15 से 20 मोहल्लों के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि पिछले नौ दिनों से पेयजल आपूर्ति बाधित है। तीन मोटरों से पानी की सप्लाई करने वाले इस जलघर में अब तक पांच मोटरें इस्तेमाल की जा चुकी हैं, लेकिन कोई भी सुचारू रूप से काम नहीं कर रही। दूसरी ओर, नई मोटर लगाने की मांग के बावजूद विभाग की ओर से फिलहाल पुरानी मोटरों की मरम्मत करके काम चलाया जा रहा है। ऐसे में मरम्मत पर खर्च हो रहे पैसे और नई मोटर की खरीद में देरी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुरानी कचहरी स्थित जलघर से शहर के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति की जाती है। यहां तीन पनडुब्बी मोटरों के माध्यम से पानी की सप्लाई होती है, लेकिन लंबे समय से मोटरों के बार-बार खराब होने की समस्या बनी हुई है। एक मोटर को मरम्मत करवाकर मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे लगाया गया था, लेकिन बुधवार सुबह पौने छह बजे वह फिर जल गई। इससे पहले भी मरम्मत के बाद लगाई गई एक मोटर महज 40 मिनट चलने के बाद जवाब दे गई थी। बार-बार मोटरें खराब होने से जलघर की व्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पा रही है और फिलहाल तीनों मोटरों से नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही। यहां से पानी की आपूर्ति पूरी तरह से ठप है।



नारनौल। जली हुई मोटर तथा खराब पड़ी मोटरें। फोटो : हरिभूमि

नवरात्र में पानी के लिए भटक रहे लोग

पेयजल संकट ऐसे समय में गहराया है, जब नवरात्र और त्योहारों का सीजन चल रहा है। घरों में पूजा-पाठ, स्नान, खाना बनाने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन नलों में पानी नहीं आने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। कई परिवारों को मजबूरी में पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। लंबे समय से आपूर्ति बाधित रहने के कारण लोगों में रोष बढ़ रहा है। वार्ड नंबर 25 के शिवाजी नगर, पानी की टंकी क्षेत्र, परस, मीराजी, पालतीयान, पुरानी सराय, नई सराय, जमालपुर, पुल बाजार की सिटी वाली गली और दशमेश नगर सहित आसपास के मोहल्ले प्रभावित हैं। पार्षद अजय सिंघल के साथ बिल्लू कौशिक, महेश चंद, विक्रम अग्रवाल और अमरनाथ सोनी आदि ने बताया कि पहले भी पानी की सप्लाई सुचारू नहीं रहती थी। कम दबाव के कारण अंतिम घरों तक पानी नहीं पहुंच पाता था। अब मोटरें खराब होने से संकट और गहरा गया है। उनका विभाग पर आरोप है कि मरम्मत के कार्य में उन्हें भारी गड़बड़ नजर आती है। इसमें कोई घोटाला किया जा रहा है और सरकार के राजस्व को हानि पहुंचाई जा रही है। वह इसकी शिकायत ऊपर तक करेंगे।

नई मोटर खरीदने के बजाय बार-बार मरम्मत पर जोर

पुरानी कचहरी पर जलघर खस्ताः नई मोटर पर आस में सूख रहे लोगों का गला
मरम्मत का 'ड्रामा' 40 मिनट में खाक, बार-बार फूंक रही मोटर

वार्ड पार्षद अजय सिंघल ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुरानी मोटरों को बार-बार मरम्मत करवाकर लगाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा। एक मोटर मरम्मत के बाद चलती है और कुछ समय बाद फिर जल जाती है। उन्होंने कहा कि मोटरों की बार-बार मरम्मत पर खर्च की जा रही राशि से नई मोटर खरीदी जा सकती है। इसके बावजूद नई मोटर लगाने में देरी समझ से परे है। विभाग को अस्थायी उपायों के बजाय स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाना चाहिए, ताकि सरकारी धन का सदुपयोग हो और लोगों को नियमित पानी मिल सके। पार्षद अजय सिंघल ने बताया कि इस समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग के जेई संजय और एसडीओ मुकेश शर्मा से कई बार बातचीत की जा चुकी है।

मोटर लगवा दी गई

▶▶ पुरानी कचहरी से मोटर जलने की शिकायत आई थी। वहां दूसरी मोटर लगवा दी गई है। बिजली में कोई फॉल्ट आने की वजह से मोटरें जल रही हैं। मोटरें बदलवाकर लोगों की समस्या का समाधान किया जा रहा है।

–मुकेश शर्मा, एसडीओ, जनस्वास्थ्य विभाग, नारनौल।

न्यूज डायरी

सड़क सुरक्षा परखने को सेफ्टी क्विज स्पर्धा



नारनौल। एमसी दीपक कुमार के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले रोड सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता 2026-27 के द्वितीय चरण की लिखित परीक्षा आयोजित की गई। नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली, कनीना व नांगल चौधरी के स्कूलों एवं कॉलेजों में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की लिखित परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक हुई। संबंधित शिक्षण संस्थानों के सहयोग एवं समन्वय से परीक्षा संपन्न कराई गई। विद्यार्थियों के सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों व यातायात व्यवहार संबंधी ज्ञान को परखा गया।

मॉडर्न स्कूल के दो छात्रों का राज्य स्तर पर चयन



महेंद्रगढ़। खेल महाकुंभ के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं में मॉडर्न स्कूल के दो विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। वेटलिफ्टिंग में 12वीं विज्ञान संकाय के देवेन पुत्र ज्ञानेंद्र और 400 मीटर रिले दौड़ में 11वीं कला संकाय के जतिन पुत्र विकास ने सफलता हासिल की। प्रतियोगिताओं का आयोजन एसडी स्कूल ककराला और केंद्रीय विश्वविद्यालय, जाट पाली में किया गया। विद्यार्थियों के चयन पर संस्था निदेशक हवा सिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार सहित शिक्षकों ने उन्हें और उनके अभिभावकों को बधाई दी।



खेड़ाः टीबी उन्मूलन शिविर में 78 लोगों की स्क्रीनिंग

महेंद्रगढ़। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिगड़ा के अंतर्गत गांव खेड़ा में टीबी उन्मूलन अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य टीबी की समय पर पहचान करना तथा ग्रामीणों को घर-द्वार पर स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध करवाना था। शिविर के दौरान कुल 78 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई। संभावित मरीजों की पहचान के लिए चेस्ट एक्स-रे किए गए तथा आवश्यकतानुसार बलगम के नमूने भी लिए गए, ताकि समय पर बीमारी की पहचान कर जांच एवं उपचार की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

नहरी पानी का आवंटन हुआ 1250 क्यूसिकः गढ़ी



मंडी अटेली। महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई विभाग की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के प्रयासों से दक्षिण हरियाणा में नहरी पानी के आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भाजपा बाछौद मंडल मंत्री एवं डीआरयूसीसी सदस्य हरमेश गढ़ी ने दावा किया कि महेंद्रगढ़ जिले में नहरी पानी का आवंटन वर्ष 2013 के 650 क्यूसिक से बढ़कर वर्ष 2026 में 1250 क्यूसिक हो गया है। हरमेश गढ़ी ने कहा कि श्रुति चौधरी अपने दादा एवं पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल की विकास की सोच को आगे बढ़ा रही हैं। चौधरी बंसीलाल ने दक्षिण हरियाणा में लिफ्ट सिंचाई तकनीक को बढ़ावा दिया था।



जर्जर सड़क से बस स्टैंड परिसर में हादसों का खतरा

महेंद्रगढ़। स्थानीय बस स्टैंड परिसर की व्यवस्थाएं इन दिनों बदहाली के दौर से गुजर रही हैं। बस स्टैंड परिसर में पार्किंग की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग और कार्यालय के पीछे की सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। सड़कों पर बने गहरे गड्ढे आए दिन हादसों को न्योता दे रहे हैं। खासकर वर्षा के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब पूरी सड़क जलभराव के कारण तालाब में तब्दील हो जाती है। पानी भरे होने के कारण वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं हो पाता, जिससे आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं।



महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

एनडीए की लिखित परीक्षा में आरपीएस के 88 छात्र सफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यूपीएससी द्वारा घोषित एनडीए की लिखित परीक्षा में आरपीएस की प्रतिभाओं ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। आरपीएस के 88 विद्यार्थियों ने एनडीए की लिखित परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एसएसबी के लिए क्वालिफाई किया। आरपीएस सीईओ इंजि मनीष राव ने बताया कि एनडीए की लिखित परीक्षा 13 सितम्बर को संघ लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित की गई थी। एनडीए की लिखित परीक्षा को क्वालीफाई करने वालों की सूची में अनिरूद्ध, बादल , बसंत कुमार, ध्रुव, दिक्षांत, नमन यादव, नितेश कुमार, तेजस्वी, विवेक यादव, यश कुमार, आरव गिल, निर्भय तंवर, सस्कार सिसोठिया, यश चौहान, विशाल बजाड़, नितिन, दिक्षांत कुमार, हर्षित, जतिन, राहुल, योगेश, लक्की, निखिल, आरूस, निर्भय कुमार, केशव ,यशवनी, प्रत्यक्ष झा, श्रेय वर्मा, कार्तिक, अभिरूप, अरमान सिंह, काम्या नागपाल, गुरकिरत सिंह, विनित यादव, कारजप्रित सिंह, याशीश शर्मा, कौशल लोधी, हरिधन तिवारी, जयंत, रूद्र तोमर, सगुन कौशिक, लक्ष्य, मोहित, गौरव मान, हार्दिक, विराट, दिव्या राव, अक्षित शर्मा, निशांत मोहंती, लक्ष्य, निशांत नांदल, चारवी सिंह, परांस सैनी, भव्या रसतोगी, रोहित, सर्वेश कुमार, जिसांत यादव, दक्ष सिंघल, अर्जीत गोयल, विष्णु पाण्डेय, अरिहान, हर्षित सिंह, वत्सल , ससमित, पियुष , दक्ष बेनिवाल, खुशी खर्ब, अवनित सिंह, विवेक, विनय, अमन मान, नितिन, योगेश, लक्ष्य, रक्षित, तुषार, मानव, जयंत, आर्यन यादव, देव खंडेलवाल, हिताक्षी, कृष, यशस्वी, मिस्टी, मयंक, दिक्षित व यश समेत अनेक छात्रों ने सफलता प्राप्त की।

विद्यार्थियों को गुरुओं का सम्मान करना चाहिएः प्रताप सिंह शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विद्या सर्वोत्तम ऐसा धन है, जिसके प्राप्त करने से मानव जीवन सर्वथा कृतकृत्य होता है। यहीं धन पुरुषार्थ के निमित्त मोक्ष प्राप्ति का भी के लिए होता है। विद्याविहिन पशु तथा विद्वान ही संसार में वास्तव में धनी होता है, जिसका सर्वत्र सम्मान होता है। विद्या ही एक ऐसा धन है, जो खर्च करने से बढ़ता है, जबकि शेष धन खर्च करने से घट जाते हैं। उपरोक्त विचार शिक्षाविद् एवं साहित्यकार प्रताप सिंह शास्त्री द्वारा चलाए जा रहे छात्र जागृति अभियान के अंतर्गत माडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। शास्त्री ने कहा कि विद्यार्थी जीवन एक ऐसा सुनहरी व महत्वपूर्ण काल होता है जिसके सदुपयोग से भावी जीवन निष्कंटक, सुखी व सम्पन्न बनता है। विद्यार्थियों को इस काल में गुरुओं का सम्मान करते हुए अधिकाधिक विद्या अर्जन करना चाहिए।



महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

लक्ष्मण गिरि गोशाला पहुंचे विधायक यादव ने गुड़ खिलाया

कनीना। पूर्व मंत्री एवं नारनौल से विधायक ओमप्रकाश यादव ने बुचावास स्थित लक्ष्मण गिरि गोशाला का दौरा किया। गोशाला परिसर में पहुंचकर उन्होंने गायों को चारा व गुड़ खिलाकर उनकी सेवा की और गोमाता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गोशाला प्रबंधन तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। विधायक ओमप्रकाश यादव ने गोशाला संचालक महंत विट्ठल गिरि महाराज से गोसंवर्धन, गोशाला के रख-रखाव तथा गायों के बेहतर संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। महंत विट्ठल गिरि ने विधायक को गोशाला की वर्तमान गतिविधियों, चारे की व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं के बारे में अवगत कराया।

बाबा मनसा दास धाम कपूरी में 23 को होगा संत सम्मेलन

कनीना। क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा मनसा दास मंदिर धाम कपूरी में शुक्ल पक्ष की द्वादशी के अवसर पर संत सम्मेलन, भजन संध्या, खेलकूद प्रतियोगिता व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक व सामाजिक महोत्सव को लेकर ग्रामीणों व श्रद्धालुओं की बैठक आयोजित की गई। धाम के संचालक महंत राम भजन दास की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समारोह को लेकर विचार-विमर्श किया गया, वहीं जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

महंत राम भजन दास ने बताया कि तीन दिवसीय इस समारोह की शुरूआत 20 अक्टूबर को प्रातः सवा सात बजे अखंड रामायण पाठ के साथ होगी। वहीं 23 अक्टूबर को प्रातः सवा सात बजे हवन होगा।

कांग्रेस ने डीसी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की

राजीव गांधी की प्रतिमा को विज्ञापन स्थल बनाने पर रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा को प्रशासन की ओर से विज्ञापन स्थल के रूप में इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी महेंद्रगढ़ ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और इस मुद्दे को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा। इस विषय पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि राजीव गांधी देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न से सम्मानित नेता थे। देश के विकास, आधुनिक तकनीक, संचार क्रांति और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी प्रतिमा का उपयोग विज्ञापन लगाने के लिए किया जाना उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने और प्रतिमा की गरिमा एवं सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की। इसके पश्चात प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने अनाज मंडी का दौरा कर किसानों से मुलाकात की और कहा कि भाजपा सरकार किसान वर्ग को राहत देने के बजाय उस पर नाजायज शर्तें थोपकर परेशान कर रही है।



नारनौल। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर राव होशियार सिंह, सूरज बोहरा, ब्लॉक अध्यक्ष मनपाल यादव, सुमेर प्रधान, रामकिशन, दलीप चेयरमैन, राजकुमार, सुमेर चेयरमैन, सुमेर सरपंच, बलवंत, डॉ. राज सुनेश, प्रेम यादव, रविंद्र यादव, विनोद सरपंच, अविनाश, जयपाल सरपंच, रमेश यादव, प्रो. राजबीर, महताब, रामसिंह जोया, सरजीत नंबरदार, तोताराम, कृष्ण पंच, पुरुषोत्तम चेयरमैन, अनिल सैनी, अमर सिंह, राजन, विकास फौजदार, संदीप नूणीवाल, राजू अग्रवाल, तेजपाल यादव, जसवंत भाटी, नीरसिंह, नंदलाल, अजीत सरपंच, जीतू मांदी, विक्रम अवाना उपस्थित रहे।

बाजरे की खरीद को लेकर किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत करके फसल तैयार करता है, लेकिन जब अपनी उपज बेचने का समय आता है, तो उसे सरकारी शर्तों, नियमों और खरीद व्यवस्था की जटिलताओं से जूझना पड़ता है। जिला कांग्रेस कमेटी महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष सत्यवीर ने कहा कि महापुरुषों और देश के महान नेताओं की प्रतिमाएं हमारी ऐतिहासिक विरासत और प्रेरणा का प्रतीक होती हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005